

प्रेषक,

हरिओम,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग
उद्योग निदेशालय
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 27 मार्च, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु केन्द्र पोषित "लघु उद्योगों की गणना" योजनान्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5717/उ0नि0(दो)-27/गणना योजना/2008-09 दिनांक 18-3-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उद्योग निदेशालय के आयोजनागत पक्ष अन्तर्गत केन्द्र पोषित "लघु उद्योगों की गणना" योजनान्तर्गत कुल ₹0 1.42 लाख (₹0 एक लाख बयालीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि कृपया विभाग को उनकी मॉग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च 2009 से पूर्व कर लिया जाय। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 01-लघु उद्योगों की गणना

योजना(100%के0स0) 01-वेतन मद के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के कालम-5 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाई के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 715/XXVII(2)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

(हरिओम)

संयुक्त सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 596/VII-II-09/70-उद्योग/2006 तद् दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून उत्तराखण्ड।
5. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(हरिओम)

संयुक्त सचिव।

आय-व्ययक प्रपत्र-15

वर्ष 2008-09 हेतु आयोजनागत से आयोजनागत मद में पुनर्विनियोग

अनुदान संख्या - 23

प्रशासनिक विभाग-औद्योगिक विकास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
निचक्र अधिकारी-निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड, देहरादून।

चक्र प्रविधान तथा लक्ष्यशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अवधि व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवधि धनराशि	लक्ष्यशीर्षक स्थानान्तरित प्रविधान	जिसमें किया जाना है तथा	पुनर्विनियोग के बाद स्लम 5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्लम 4 में अवशिष्ट धनराशि	धनराशि हजार रु0 में	अनुमति
1	2	3	4	5	6	7	8		
2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग 00-आयोजनागत 102-लघु उद्योग 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजना- 02-प्रधानमंत्री रोजगार योजना (100% कं0स0) 20-सहायक अनुदान/अंशदान योग-	3232	-	3232	2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग 00-आयोजनागत 102-लघु उद्योग 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजना 01-लघु उद्योगों की गणना योजना (100% कं0स0) 01-वैतन मद-	5	772	3090	(क) आवश्यकता न होने के कारण। (ख) बजट प्राविधान कम होने के कारण	
प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुल के प्रसार 151-156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।									

18/11/08
(एन0के0जीसी)
अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त विभाग

संख्या 7157 XXVII(2)/2008 दिनांक 27.03.2009

सेवा में

महालेखाकार निगर स्टेट बैंक, इन्द्रानगर देहरादून।

संख्या 596 / VII-II-09/24-उद्योग/08 दिनांक 27.3.2009

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- निदेशक उद्योग उद्योग निदेशालय देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।

3- वित्त अनुभाग-2

4- गार्ड फाइल।

7/11/08
(टी0एन0सिंह)
अपर सचिव वित्त।

आज्ञा से

18/11/08
(एन0के0जीसी)
अपर सचिव।